

अध्याय 3

आम की दुकान

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1.

यह लड़की सिर पर क्या लेकर जा रही होगी? चित्र बनाओ।

उत्तर :



आम।

दो अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1: इस कविता के कवि कौन हैं?

उत्तर : इस कविता के कवि रामकृष्ण शर्मा 'खदर' हैं।

प्रश्न 2: कवि ने कैसे चित्रित किया है बच्ची के मनोभावों का चित्रण?

उत्तर : कवि ने बच्ची को सिर पर टोकरी रखकर और आम बेचते हुए चित्रित किया है, जिससे उसके मनोभावों की सुंदरता को प्रकट किया गया है।

प्रश्न 3: कविता का विषय क्या है?

उत्तर : कविता का विषय है 'आम की टोकरी' और बच्ची के मनोभाव।

प्रश्न 4: कविता में किसे बेच रही है बच्ची?

उत्तर : बच्ची आम बेच रही है।

प्रश्न 5: कविता के कवि का पूरा नाम क्या है?

उत्तर : कविता के कवि का पूरा नाम रामकृष्ण शर्मा 'खदर' है।

प्रश्न 6: बच्ची ने आमें किसको दिखाई?

उत्तर : बच्ची ने अपनी भरी हुई टोकरी को सबको दिखाई है।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1: कवि ने बच्ची के मनोभावों का चित्रण कैसे किया है?

उत्तर : कवि ने बच्ची को आम बेचते हुए सिर पर टोकरी रखकर चित्रित किया है, जिससे उसके मनोभावों की अद्वितीयता और मस्ती को प्रकट किया गया है।

प्रश्न 2: बच्ची क्या कर रही है और उसने क्या चीजें दिखाई हैं?

उत्तर : बच्ची आम बेच रही है और उसने अपने पास भरी हुई टोकरी को सबको दिखाकर अपनी आमें बेच रही है।

प्रश्न 3: इस कविता में कवि कैसे व्यक्ति और चित्रित करता है कि बच्ची आमें बेचती है?

उत्तर : कवि ने बच्ची को सिर पर टोकरी रखकर आम बेचते हुए चित्रित किया है, जिससे उसका छाया-छवि प्रदर्शित हो रहा है और दर्शकों को यह अनुभव होता है कि वह कैसे अपने मनोभावों को प्रकट करती है।

सात अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1: इस कविता में कैसे चित्रित है कि बच्ची अपना नाम नहीं बताती?

उत्तर : इस कविता में, बच्ची अपना नाम नहीं बताती है, लेकिन वह आमों को बेचकर अपनी आमों सबको दिखाती है। इससे यह प्रतीत होता है कि उसकी प्राथमिकता आमों की बिक्री है, न कि उसका नाम।

प्रश्न 2: बच्ची के मनोभावों में कैसी भावनाएं हैं जो कविता में प्रकट हो रही हैं?

उत्तर : बच्ची के मनोभावों में खुशी, खेलने का उत्साह, और आत्ममुग्धता की भावना है जो कविता में प्रकट हो रही है। वह आमों की टोकरी लेकर सबको दिखाने में अत्यधिक आनंद और खुशी का अनुभव कर रही है।

प्रश्न 3: कवि ने इस कविता के माध्यम से किस प्रकार से बच्ची की मासूमियत और खिलवारपन को चित्रित किया है?

उत्तर : कवि ने इस कविता के माध्यम से बच्ची की मासूमियत और खिलवारपन को सुंदरता से चित्रित किया है। बच्ची का सिर पर टोकरी रखना, आमों की टोकरी लेकर सबको दिखाना, और अपना नाम नहीं बताना इससे उसका खिलवारपन और प्राकृतिक सादगी प्रकट होती है।

प्रश्न 4: इस कविता में व्याकरण और शैली का कैसा उपयोग किया गया है?

उत्तर : इस कविता में व्याकरण और शैली का उपयोग बहुत ही सुंदरता से हुआ है। भाषा सरल है और शब्दों का चयन सुस्त और सांगीतिक है, जिससे कविता को रोमांटिक और प्रभावशाली बनाया गया है।

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता 'आम की टोकरी' में सिर पर टोकरी रखकर आम बेचती एक छह साल की बच्ची के मनोभावों का बड़ा ही सुंदर चित्रण किया गया है। इस कविता के कवि रामकृष्ण शर्मा 'खदर' हैं। कवि कहता है कि एक छह साल की बच्ची टोकरी में आम रखकर बेच रही है, किंतु उनका दाम नहीं बताती। वह आम से भरी टोकरी सबको दिखाकर अपने पास बुला रही है। वह लड़की सबको आम तो दे रही है, पर अपना नाम नहीं बता रही है। कवि कहता है कि अब हमें उस बच्ची का नाम नहीं पूछना। अब तो हमें केवल उसके रसीले आम चूसने हैं।

शब्दार्थ : छोकरी-लड़की। टोकरी-छोटा डाला। दाम-कीमत।

प्रसंग- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम भाग-1 में संकलित कविता 'आम की टोकरी' से ली गई हैं। यह कविता रामकृष्ण शर्मा खदर द्वारा रचित है। इसमें कवि ने आम बेचती एक छह साल की बच्ची के हाव-भाव तथा क्रियाकलापों का चित्रण बड़े ही सुंदर ढंग से किया है।

व्याख्या – इन पंक्तियों में कवि कहता है कि एक छह साल की बच्ची टोकरी में आम भरकर बेच रही है। वह लड़की आम तो बेच रही है, किंतु दाम नहीं बता रही। कवि कहता है कि लड़की अपनी टोकरी को दिखा-दिखाकर हमें बुला रही है